EVIDENCE TENDERED BEFORE THE JOINT COMMITTEE OF THE HOUSES ON THE MEDICAL TERMINATION OF PREGNANCY BILL, 1969.

SHRI MULKA GOVINDA REDDY (Mysore) : Sir, I beg to lay on the Table a copy of the evidence tendered before the Joint Committee of the Houses on the Bill to provide for the termination of certain pregnancies by registered medical practitioners and for matters connected therewith or incidental thereto.

REPORT OF THE JOINT COMMITTEE OF THE HOUSES ON THE COMMISSIONS OF INQUIRY (AMENDMENT) BILL, 1969

KUMARI SHANTA VASISHT (Delhi) : Sir, I beg to lay on the Table a copy of the Report of the Joint Committee of the Houses on the Bill to amend the Commissions of Inquiry Act, 1952.

EVIDENCE TENDERED BEFORE THE JOINT COMMITTEE OF THE HOUSES ON THE COMMISSIONS OF INQUIRY AMENDMENT BILL, 1969

KUMARI SHANTA VASISHT (Delhi) : Sir, I beg to lay on the Table a copy of the evidence tendered before the Joint Committee of the Houses on the Bill to amend the Commissions of Inquiry Act, 1952.

PERSONAL EXPLANATION BY MINISTER

वैदेशिक व्यापार मंत्री (श्री ललित नारायण मिश्र) : श्रीमन्, मैं केवल एक छोटी सी बात कहना चाहता हूं। मेरी गैरहाजिरी में मेरे मित्र राजनारायण जी ने एक बात उठाई थी कि मुझको कोई ठेका दिया गया था कि मैं कोई 7 करोड़ या 10 करोड़ रुपया इकठ्ठा करूं। राजनारायण जी मेरे पुराने मित्र हैं, वह मुझसे कह सकते थे...

श्री राजनारायण (उत्तर प्रदेश) : जो मैं कहना चाहता था वह मैं कह दूं।

श्री ललित नारायण मिश्र : राजनारायण जी, माफ कीजिये, मुझे कह लेने दीजिये।

श्री राजनारायण : मैंने जो कहा वह यह कि अपने से नहीं बल्कि प्रधान मंत्री ने ललित नारायण मिश्र को जिम्मेदारी दी है कि आगामी निर्वाचन को जीतने के लिये, उसका पैसे से मुकाबिला करने के लिए, 7 करोड़ या 5 करोड़ रुपया उगावें।

श्री ललित नारायण मिश्र : 7 करोड़, 5 करोड़, 10 करोड़ या 20 करोड़ की बात नहीं। मैं तो इतना ही कहना चाहता हूं कि यह सब तथ्यहीन है, असत्य है, और ऐसी कोई बात नहीं है।

श्री राजनारायण : बाद में फिर डिपार्टमेंट क्यों चेंज हुआ। यह तथ्यहीन है तो डिपार्टमेंट क्यों चेंज हुआ। क्यों चेंज हुआ।

श्री ललित नारायण मिश्र : बैठिये, सुनिये।

श्री राजनारायण : मैं ललित नारायण मिश्र की कपेसिटी को जानता हूं, ललित नारायण मिश्र कोई मामूली आदमी नहीं हैं।

श्री ललित नारायण मिश्र : राजनारायण जी, जरा सुनिये। डिपार्टमेंट क्यों चेंज हुआ, क्यों नहीं हुआ, मैं खुद जानता हूं, प्रधान मंत्री जानती होंगी, मैं यहां प्रसन्न हूं या अप्रसन्न हूं यह मेरी निजी बात है, उसको छोड़िये, लेकिन आप संसद् के एक माननीय सदस्य हैं, मेरे मित्र हैं, इतना आश्वासन मैं दे दूं कि 10 करोड़ या 20 करोड़ या जितना करोड़ हमें मिले, तो आधा मैं आपको दे दूंगा।

विपक्ष के नेता (श्री श्यामनन्दन मिश्र) : श्रीमन्, यह सफायी जो उन्होंने दी, दो बातों में किस बात की सफायी दी, यह मेरी समझ में नहीं आया। प्राइम मिनिस्टर साहबा ने उनको आदेश दिया... (*Interruptions*) पहले मेरी बात सुन लीजिए (*Interruption*)

श्री उपसभापति : आर्डर, आर्डर।

श्री श्यामनन्दन मिश्र : प्राइम मिनिस्टर के आदेश देने की बात ग़लत है, या उनके उस आदेश को स्वीकारने की बात गलत है दोनों मे से कौन सी बात गलत है?

श्री ललित नारायण मिश्र : दोनों बातें ग़लत हैं। प्राइम मिनिस्टर साहबा ने बहुतों का विभाग परिवर्तन किया, मेरा भी परिवर्तन किया। न मैं प्रधान मंत्री महोदया से मिला, न कोई बात हुई, न चर्चा हुई। किसी ने चर्चा नहीं की और न हमने किसी से चर्चा की। छोटा आदमी अवश्य हूँ लेकिन मुझमें भी स्वाभीमान हो सकता है। ऐसी बातें नहीं उठानी चाहियें।

श्री राजनारायण : श्रीमन्, एक सफायी मैं चाहता हूँ। हमको कैसे मालूम होगा कि हमारे मित्र ललित नारायण को 10 करोड़ रु० मिला। ये कहते हैं हमको जितना मिला उसका आधा तुमको दे दूंगा...

श्री उपसभापति : जब मिलेगा तब देखा जायेगा। बैठ जाइय। 2 बज कर 10 मिनट हो गए। बहुत टाइम ले चुके हैं।

श्री राजनारायण : अगर मैं उनकी बात का जवाब न दूं, तो वह समझेंगे मैं उनको नगण्य समझता हूं।

श्री उपसभापति : उसका जबाब देने की क्या जरूरत है। बेकार समय ले रहे हैं।

श्री राजनारायण : कई करोड़ का मामला है। मैं चाहता हूं, आप पंच बन जाइये। आप पंच बन जाइये और ललित नारायण जी का जितना अकाउन्ट है, आज से वह सब जांच कीजिएगा। मैं यह भी कहता हूं, यह हमको जो कुछ भी देंगे, इस सदन के सम्मानित सदस्यों को और यहां के गरीब लोगों को, विद्यार्थियों को, बांट दूंगा।

श्री उपसभापति : ठीक है, बैठ जाइये।

REFERENCE TO DHARNA BY MEMBERS OF PARLIAMENT FROM ORISSA AND MEMBERS OF ORISSA STATE LAGISLATURE FOR ESTABLISHMENT OF A SECOND STEEL PLANT IN ORISSA

SHRI MULKA GOVINDA REDDY (Mysore) : Sir, with your permission I would like to draw the attention of this House and the Government to the fact that twenty Members of Parliament from Orissa and thirty or forty Members of the Legislature of Orissa are now performing a dharna before the residence of the Prime Minister to press for establishing a second steel plant in Orissa. The people of Orissa are very much agitated over this. The Government of India are showing callousness in not announcing their decision to start or to establish a second steel plant in Orissa. Only two or three months back entire State of Orissa was in flamees. Therefore, it is not proper and politic on the part of the Government of India to delay their decision to establish a second steel plant. I demand that the Government of India should come forward to make a statement immediately, this afternoon. so that the wishes of the peolple of Orissa may be fulfilled.

SHRI NIREN GHOSH (West Bengal) : Why should they offer dharna? They should take over the powers of commerce, trade and industry from the Central Government and themselves set up a steel plant there.

श्री राजनारायण (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन् मैंने प्रश्नों के समय भी सवाल उठाया था जो मुल्का गोविन्द रेड्डी ने उठाया है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN : The House adjourns till 3 p. m.

The House then adjourned for lunch at ten minutes past two of the Clock.

The House reassembled after Lunch at Three of the Clock, MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

RE USE OF HINDI IN THE SUPREME COURT

श्री राजनारायण (उत्तर प्रदेश) : मैं आपकी आज्ञा से एक बहुत ही राष्ट्रीय महत्व प्रश्न की ओर सदन के सम्मानित सदस्यों का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। श्रीमन् मैं 22 अगस्त से 27 सितम्बर तक तिहाड़ जेल में बन्द था।

श्री उपसभापति : आप किस बात पर बोल रहे है।

श्री राजनारायण : मैं विशेषाधिकार के प्रश्न पर बोल रहा हूं। (*Interruptions*)